TITLE CODE:- UPHIN51504

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 215
दि. 06.12.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पुतिन ने कहा- कई क्षेत्रों में साथ आगे बढ़ने की योजना, पीएम मोदी बोले- आपकी यात्रा ऐतिहासिक

राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा, हमारे संबंध इतिहास में गहराई से जुड़े हैं, लेकिन मायने शब्दों के नहीं, बल्कि उस सार के हैं, जो वास्तव में बेहद मजबूत और गहरा है.

(जीएनएस)।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई मुलाकात ने दोनों देशों के रिश्तों को एक नई मजबूती और गति प्रदान की है. 7-लोक कल्याण मार्ग में लगभग तीन घंटे तक चली यह वार्ता न केवल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही, बल्कि भविष्य की साझेदारी के लिए कई नए रास्तों को भी खोलती दिखाई दी.

हमारे संबंध इतिहास में गहराई से जुड़े हैं- पुतिन

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा, हमारे संबंध इतिहास में गहराई से जुड़े हैं, लेकिन मायने शब्दों के नहीं, बल्कि उस सार के हैं, जो वास्तव में बेहद मजबूत और गहरा है. उन्होंने मुलाकात को 'दोस्ताना और सार्थक बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया.

भविष्य की दिशाः एआई से लेकर अंतरिक्ष तक

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने बातचीत के दौरान कई क्षेत्रों में बड़े विस्तार की योजनाओं का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि रूस और भारत जिन क्षेत्रों में आगे बढ़ने की योजना बना रहे हैं, वे दोनों देशों के बीच उच्च विश्वास स्तर को दर्शाते हैं. उन्होंने विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विमानन, हाई-टेक सेक्टर, सैन्य-तकनीकी सहयोग, अंतरिक्ष जैसी चीजों का जिक्र किया.

वैश्विक मुद्दों पर खुली और सीधी

बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और रूस वैश्विक मुद्दों पर, विशेषकर यूक्रेन पर, लगातार संवाद में हैं. पीएम मोदी ने कहा कि आप (व्लादिमीर पुतिन) मुझे ठीक-ठीक स्थिति बताते हैं.

यह हमारे देशों के बीच मजबूत साझेदारी का प्रमाण है.

आर्थिक साझेदारी को नई ऊर्जा

मोदी ने उम्मीद जताई कि यह बैठक दोनों देशों की आर्थिक प्रगति में नई ऊर्जा डालेगी. मुझे विश्वास है कि यह बैठक नई उम्मीद जगाएगी और हमारी आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करेगी. हमें बड़े परिणामों की उम्मीद है. प्रधानमंत्री मोदी ने निजी संबंधों की गर्माहट का उल्लेख करते हुए कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी है कि हमारा परिचय 25 वर्ष से भी पुराना है.

'दोहरे मानदंडों के बिना आतंकवाद के विरुद्ध लड़े दुनिया', शिखर वार्ता में बोले पीएम मोदी और पुतिन

नई दिल्ली। भारत और रूस ने शुक्रवार को आतंकवाद के विरुद्ध "बिना किसी समझौते के" दुनियाभर में लड़ाई लड़ने का आह्वान किया, जिसमें छिपा हुआ एजेंडा और दोहरे मापदंड न हों। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह खतरा इंसानियत के मूल्यों पर सीधा हमला है। आतंकवाद पर जीरो टालरेंस नीति की जोरदार वकालत की

शिखर वार्ता में मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम और मॉस्को के क्रोकस सिटी हाल में हुए आतंकी हमलों की निंदा की और आतंकवाद पर जीरो टालरेंस नीति की जोरदार वकालत की। दोनों नेताओं ने आतंकियों की सीमा पार आवाजाही और आतंकी फंडिंग सहित सभी तरह के आतंकवाद को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता जताई।

उन्होंने कहा, "भारत और रूस ने आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में लंबे समय से कंधे से कंधा मिलाकर काम किया है। चाहे पहलगाम में आतंकी हमला हो या क्रोकस सिटी हाल पर कायरतापूर्ण हमला, इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। भारत का दृढ़ता से मानना है कि आतंकवाद इंसानियत के मूल्यों पर सीधा हमला है और इसके विरुद्ध दुनिया की एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत है।"

शिखर वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि मोदी और पुतिन ने आतंकवाद के सभी वारदातों की निंदा की, चाहे उनका मकसद कुछ भी हो।

उन्होंने अल कायदा, आइसिस और उनसे जुड़े संगठनों समेत संयुक्त राष्ट्र से प्रतिबंधित आतंकी समूहों के विरुद्ध मिलकर कार्रवाई करने की अपील भी की, जिसका मकसद आतंकियों की सुरक्षित पनाहगाहों को खत्म करना, आतंकी विचारधारा को फैलने से रोकना, आतंकियों के वित्तीय माध्यमों और अंतरराष्ट्रीय अपराध के साथ उनके रिश्ते खत्म करना और आतंकियों की सीमापार आवाजाही को रोकना है।

दोनों पक्षों ने आतंकवाद और चरमपंथ के सभी रूपों के विरुद्ध "बिना किसी समझौते के लड़ाई" की अपील की और अंतरराष्ट्रीय कानून व संयुक्त राष्ट्र चार्टर के ठोस आधार पर बिना किसी छिपे एजेंडे और दोहरे मापदंडों के इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया।

इसके अलावा उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद व संयुक्त राष्ट्र महासभा के संबंधित प्रस्तावों को मजबूती से लागू करने और संयुक्त राष्ट्र वैश्विक आतंकवाद रोधी रणनीति को संतुलित तरीके से लागू करने की जरूरत पर बल दिया।

यूपी में अब टैलेंट हर गांव से निकलेगा! 75 जिलों में एक साथ होगा ये बड़ा काम! सीएम योगी ने दिया खास आदेश

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में खेलों के विकास को लेकर अब तक जो नीतियां केवल कागजों पर थीं, उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जमीनी हकीकत में बदलना शुरू कर दिया है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि खेलों को लेकर किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणा 69वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए की। अब राज्य का लक्ष्य खेलों को सिर्फ. शहरों तक नहीं, बल्कि गांव-गांव तक पहुँचाना है।

हर ब्लॉक तक बनेगा खेल का मजबूत ढांचा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर, सरकार ने एक साथ प्रदेश के सभी 75 जिलों में स्टेडियम और हर ब्लॉक में मिनी स्टेडियम बनाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है। 18 जिलों के सरकारी कॉलेजों में मिनी स्टेडियम के लिए लगभग ₹5-5 करोड़ की मंजूरी दी जा चुकी है।

यह इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं, बल्कि वित्तीय सहायता भी पहली बार व्यापक स्तर पर दी जा रही हैः कॉलेजों को ₹25,000, जूनियर हाई स्कूलों को ₹10,000, और बेसिक स्कूलों को ₹5,000 की विशेष राशि खेल सामग्री के लिए दी जा रही है। इसके साथ ही, मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण भी तेजी से चल रहा है, जो उत्तर भारत में खेल विज्ञान और प्रशिक्षण का केंद्र बनेगी।

लक्ष्य 2030: 'विकसित भारत' की नींव बनेगा यूपी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि स्वस्थ युवा ही सशक्त भारत की नींव बनेंगे, और इसकी शुरूआत खेलों से होती है। इसी सोच के साथ उन्होंने युवा खिलाड़ियों को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन का लक्ष्य रखने को प्रेरित किया।

उनका कहना था कि अंडर-17 और अंडर-19 के यह युवा खिलाड़ी ही 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की रीढ़ बनेंगे।

सैकड़ों उड़ानें रद्द, बची सीटों का किराया 5 गुना तक महंगा!

भारत की सबसे बडी एयरलाइंस इंडिगो के संकट ने यात्रियों की जेब पर डाका डाल दिया है। 1000 से ज्यादा उड़ानें कैंसिल होने से बची हुई सीटों की मांग इतनी बढ़ गई कि डायनामिक प्राइसिंग एल्गोरिदम ने किराए को रॉकेट बना दिया। दिल्ली से पटना का किराया 40 हजार तक पहुंच गया, दिल्ली-मुंबई 50 हजार, दिल्ली-बेंगलुरु 1 लाख तक। लोग मजबूरन ट्रेन या बस की तरफ भाग रहे हैं। इंडिगो सीईओ ने कहा - '15 दिसंबर तक सब नॉर्मल', लेकिन तब तक किराया आसमान पर रहेगा।

राज्यसभा में उठा वन्यजीवों के हमलों की समस्या, महेंद्र भट्ट ने बताया 25 वर्षों में 1264 लोगों की मौत 6519 घायल

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में लगातार गुलदार और भालू का आतंक बढ़ता जा रहा है। जिससे पहाड़ों में लोगों के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने वन्यजीवों हमलों की गंभीर होती समस्या को संसद में उठाया।

भट्ट ने वन्यजीवों हमलों की लगातार गंभीर होती समस्या को लेकर केंद्र से विशेष कार्ययोजना बनाने का आग्रह किया है। उच्च सदन में बोलते हुए उन्होंने राज्य निर्माण के बाद हुए नुकसान का विवरण देते हुए केंद्र सरकार का ध्यान इसकी तरफ आकृष्ट कराया और केंद्र से प्रभावित परिजनों को अधिक आर्थिक मदद की मांग की है।

उन्होंने राज्यसभा में कहा, उत्तराखंड में मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। जिसके चलते स्थानीय लोगों द्वारा जान से हाथ धोने के साथ गंभीर रूप से घायलों की बड़ी संख्या सामने आ रही हैं। उन्होंने राज्य निर्माण के बाद से जंगली जानवरों के हमले में प्रभावित हुए लोगों की विस्तृत जानकारी रखते हुए बताया कि विगत

25 वर्षों में 1264 लोगों की मौत के अतिरिक्त 6519 लोग घायल इन घटनाओं के शिकार हुए हैं।

जिसमें सबसे अधिक गुलदार के हमलों में 546 की मौत और 2126 लोग घायल हुए हैं। इसी तरह हाथी के हमलों में 230 की मौत एवं 234 घायल, बाघ में 106 की मौत, 134 घायल, भालू में 71 की मौत एवं 2012 घायल, सांप में 360 की मौत 1056 घायल और मगरमच्छ के हमलों में भी 69 की मौत एवं 44 घायल हुए हैं।

इसी तरह वर्तमान वर्ष में भी अब तक भालू के हमलों में 5 और बाघ गुलदार के हमलों के 19 की मौत के साथ कुल 24 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं एवं 130 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस दौरान उन्होंने कल पौड़ी में हुई गुलदार के हमले में हुई मौत का जिक्र करते हुए चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग आदि स्थानों की हाल में हुई दुखद घटनाओं की जानकारी भी दी।

उन्होंने सदन के माध्यम से केंद्र से अनुरोध किया कि समस्या की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष कार्ययोजना बनाई जाए, विशेषकर उत्तराखंड एवं अन्य हिमालई राज्यों की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए।

क्योंकि अधिक वनाच्दित भूभाग होने और जंगलों पर निर्भरता के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में यह समस्या बेहद विकराल रूप में सामने आ रही है।

उन्होंने आग्रह किया कि केंद्र एवं राज्य से मृतकों को मुआवजा राशि के रूप में अधिक से अधिक मदद को लेकर शीघ्र पॉलिसी बनाई जाए। वहीं घायलों का भी पूरा इलाज सरकार के माध्यम से हो ताकि पीड़ित परिजनों की समुचित मदद हो सके।

नागालैंड में 'एक्ट ईस्ट' का बड़ा धमाका, ज्योतिरादित्या सिंधिया ने ट्रेडिशनल स्टोन-पुलिंग में हिस्सा लिया

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्या एम. सिंधिया ने नागालैंड को विकास का एक और बड़ा तोहफा दिया। हॉर्नबिल फेस्टिवल के दौरान तुओफेमा गांव में उन्होंने अंगामी परंपरा के अनुसार विशाल पत्थर खींचने (स्टोन-पुलिंग) में हिस्सा लिया और उसके बाद राज्य के लिए ₹645 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसमें ₹202 करोड़ के पूरे हो चुके प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और ₹443 करोड़ के नए प्रोजेक्ट्स की आधारशिला शामिल है।

सिंधिया ने कहा, "यह परंपरा केवल शारीरिक शक्ति नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और विरासत को सहेजने का जीवंत प्रमाण है। तुओफेमा में खड़े होकर मुझे लगा कि यह समाज अपनी जड़ों को मजबूती से पकड़े हुए भी प्रगति की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जी की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' ने पूर्वोत्तर को नई गति दी है और नागालैंड की युवा आबादी देश के विकास में बड़ा योगदान दे सकती है।"

हॉर्नबिल फेस्टिवल के दौरान तुओफेमा गांव में आयोजित स्टोन-पुलिंग समारोह में सिंधिया ने पारंपरिक अंगामी पोशाक पहनी और सैकड़ों ग्रामीणों के साथ रस्सी खींचकर विशाल पत्थर को खींचा। यह अंगामी समुदाय की सदियों पुरानी परंपरा है, जिसमें सामूहिक शक्ति और एकता का प्रदर्शन होता है। सिंधिया ने इसे "भारत की विविधता में एकता का प्रतीक" बताया।

₹645 करोड़ का मेगा डेवलपमेंट पैकेजः स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, शिक्षा और इनोवेशन पर जोर

सिंधिया ने दो चरणों में प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण किया:

उद्घाटन (पूर्ण हो चुके प्रोजेक्ट्स - ₹202 करोड़):

132 केवी सब-स्टेशन अपग्रेड, नागरजान, दीमापुर - ₹24.46 करोड़

शिक्षक प्रशिक्षण एवं परीक्षा केंद्र (रिहायशी सुविधा सहित) - ₹20 करोड़

190 स्कूलों में ICT इंफ्रास्ट्रक्चर - ₹18.95 करोड़

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्पादन बढ़ाने, लागत घटाने व किसानों को उचित दाम देने का काम हुआ है- श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्य सभा में प्रश्न काल के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में उत्पादन बढ़ाने, लागत घटाने और उत्पादन के ठीक दाम देने के तीन महत्वपूर्ण काम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का एक ही ध्येय और फॉमूर्ला है और वह है किसानों का कल्याण करना। श्री चौहान ने कहा कि यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने वर्ष 2019 में तय किया कि लागत पर 50% मुनाफा देकर टरढ तय की जाएगी, वहीं अब किसानों से तुअर, मसूर व उड़द 100% खरीदी जाएगी, जबकि पिछली सरकार ने कह दिया था कि लागत पर सीधे 50% बढ़ोतरी निर्धारित करने से मंडी में विकृति आ सकती है।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने संसद में सवालों के जवाब में कहा कि हम स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को पूरी तरह मानते हुए कुल लागत पर 50% मुनाफा देकर एमएसपी पर फसल खरीदी कर रहे हैं और कई फसलों पर तो 50% से ज्यादा दाम भी देने का काम कर रहे हैं। 2014 के पहले इतनी खरीद नहीं होती थी और दलहन-तिलहन की फसल के लिए तो 2014 के पहले नाममात्र की खरीदी होती थी। हमने पीएम आशा योजना भी बनाई है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि कई राज्य सरकार खरीदी में ढिलाई करती है, पूरा नहीं खरीदती है, जिससे किसानों को दिक्कत होती है, वहीं हमने तय किया है कि तुअर, मसूर, उड़द राज्य सरकार अगर कम खरीदेगी या नहीं खरीदेगी तो नैफेड जैसी एजेंसी के माध्यम से सीधे भी हम खरीदने का काम करेंगे, ताकि किसानों को ठीक दाम मिल सके।

श्री शिवराज सिंह ने बताया कि 2004 से 2014 के बीच सभी खरीफ की जो एमएसपी फसलें थी, वो केवल 46 करोड़ 89 लाख मीट्रिक टन खरीदी गई थी, जबकि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 81 करोड़ 86 लाख मीट्रिक टन खरीदी की हैं।

सम्पादकीय

बहुध्रुवीय दौर में भारत की मजबूत एवं सार्थकता पूर्वक विदेश नीति

रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का दिल्ली पहुंचना और उनकी अगवानी में सारे प्रोटोकाल को किनारे करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करना इस बात का परिचायक है कि भारत ने बहुध्रुवीय विदेश नीति को मजबूती एवं सार्थकता पूर्वक अपना लिया है।

भारत के प्रधानमंत्री मोदी यदि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिग को झूला झुला सकते हैं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सार्वजनिक कार्यक्रम में अब की बार ट्रंप सरकार का नारा लगा सकते हैं तो वह अपने सदाबहार मित्र राष्ट्र के प्रमुख पुतिन की अगवानी हेतु पालम एयरपोर्ट भी जा सकते हैं। आज भारत ने जो विदेश नीति अपनाई है, उसके लिए मुंह में दांत और पेट में आंत होने की जरूरत है। भारत में मौजूदा नेतृत्व ने साबित कर दिया है कि वह किसी एक देश के साथ कूटनीतिक खूंटे में बंधकर रह ही नहीं सकता।

भारत ने अब उस विदेश नीति का श्राद्ध कर दिया है जिसके तहत नई दिल्ली को सभी गुटों से दूरी बनाने पर जोर देता था। भारत आज सभी गुटों से संबंधों को महत्व देता है। अमेरिका ने 1990 के दशक में खुद भारत से संबंध सुधारने के लिए पहल की और आज दोनों देशों के संबंधों में काफी सुधार भी हुआ है। समझौता, संधियों एवं भूराजनीतिक रणनीति की दृष्टि से देखें तो भारत वाशिगटन डीसी का उतना ही बड़ा सहयोगी है जितना की नाटो के देश का। किन्तु भारत जानता है कि उसकी अकेले अमेरिका पर निर्भरता भी देश हित में नहीं है और न ही अमेरिका से दूर होने में भलाई है। ठीक उसी तरह रूस जब सोवियत संघ था तब भी उसके नेता भारत आते रहे और आज भी आए हैं किन्तु इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि भारत ने अमेरिका को छोड़ दिया। भारत ज्यादा से ज्यादा सहयोग रूस के साथ व्यापार एवं रक्षा तकनीक क्षेत्र में विस्तार की कोशिश करने का प्रयास कर रहा है। शुक्रवार को जब दोनों नेताओं के साथ प्रतिनिधि मंडल बैठेगा तो वह समझौतों को सार्वजनिक करेगा किन्तु आज जिस तरह एयरपोर्ट पर अगवानी करके अपने मित्र राष्ट्रपति पुतिन को प्रधानमंत्री मोदी लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर रात्रि भोज के लिए ले गए उससे तो यही लगता है कि भारत को किसी भी नाराजगी की कोई परवाह नहीं है। संयोग की बात तो यह है कि अभी आठ महीने पहले ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ उसी सरकारी आवास में प्रधानमंत्री मोदी का आतिथ्य स्वीकार करके गए हैं।

असल में अब भारत की पूरी कोशिश है कि विश्व व्यवस्था को अपने अनुकूल बनाया जाए। विगत वर्षो में भारत को विश्व व्यवस्था विषम होने का दुष्परिणाम भुगतना पड़ता था। इसलिए यह आवश्यक हो गया कि भारत सभी देशों और गुटों तक अपनी पहुंच बनाए तथा विश्व की महाशक्तियों को अपनी ताकत का एहसास दिलाए। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में आज के पहले वाले नेताओं ने देश की बुलंदी का एहसास कराने की कोशिश नहीं की किन्तु दुर्भाग्य यह रहा कि भारत आर्थिक रूप से एक कमजोर देश था। इसलिए उसे अन्य देशों से महत्व नहीं मिलता था। आज भारत की अर्थव्यवस्था लगभग चार ट्रिलियन से ज्यादा हो गई तथा जीडीपी 8.2 तक पहुंच गई। दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश अपने उत्पादों को अपने देश में ही खपत बढ़ाकर टैरिफ के हथियार को भी भोथरा करने में सक्षम है। भारत को तो पिद्दी से तेली बिरादरी देश भी आंख दिखाते थे और धमकी देते थे कि वे जब चाहेंगे, भारत को तेल देना बंद कर देंगे। 2015 तक भारत अरब मुल्कों से अपनी खपत का 70 प्रतिशत पेट्रोलियम उत्पाद खरीदता था अब उसे 30 प्रतिशत पर ला दिया। पहले रूस से अपनी खपत का मुश्किल से 2 प्रतिशत खरीदता था लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद 42 प्रतिशत तक खरीदने लगा। भारत को यदि अमेरिका भी सस्ता पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध कराएगा तो उससे भी अपने खरीद की मात्रा बढ़ा देगा। भारत स्वतंत्र विदेश नीति को अपनाए हुए है। इसलिए कोई भी धमका कर अपनी बात नहीं मनवा सकता। लब्बोलुआब यह है कि अब भारत बहुध्रुवीय विदेश नीति की बुलंदियों का प्रदर्शन कर रहा है और देश को इसी

महात्मा मंदिर-गांधीनगर में दो दिवसीय 'अर्थ समिट 2025-26' का भव्य शेभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत सरकार का देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य : केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह :-

- अर्थ समिट के अमृत चिंतन से लाया जा सकता है देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अनेक बड़ी चुनौतियों का उचित समाधान
- प्रधानमंत्री ने ग्रामीण विकास, कृषि और सहकारिता मंत्रालय को अधिक परिणाम-उन्मुख बनाने के लिए गत एक दशक में इनके संयुक्त बजट में तीन गुना वृद्धि की
- सहकारी क्षेत्र के विकास के लिए हर पंचायत में एक सहकारी संस्था और देश भर में 50 करोड़ से अधिक सक्रिय सहकारी सदस्य बनाए जाएंगे
- बनासकांठा और पंचमहाल का 'सहकारी समितियों के बीच सहयोग' मॉडल आवश्यक सुधारों के बाद पूरे देश में लागू किया जाएगा
- आगामी समय में देश में सहकारी टैक्सी और सहकारी बीमा सेवाएं भी लागू की जाएंगी

अर्थ समिट स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स, एग्री साइंटिस्ट, रिसर्चर्स और स्कॉलर्स को एक साथ लाकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का मजबूत मंच देगी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गुजरात विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी, कृषि एवं सहकारिता मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी और विधानसभा उपाध्यक्ष श्री जेठाभाई आहिर की प्रेरक उपस्थिति

गांधीनगर, 05 दिसंबर : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने शुक्रवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में दो दिवसीय 'अर्थ समिट 2025-26' का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अर्थ समिट एक्सपो का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय सहकारिता मंत्री और मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी, राज्य

के कृषि एवं सहकारिता मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी तथा विधानसभा उपाध्यक्ष श्री जेठाभाई आहिर मौजूद रहे।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देश की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदान देने वाला क्षेत्र बनाने के लिए 'अर्थ समिट' शृंखला के तीन संस्करणों का आयोजन किया जा रहा है। जिसका दूसरा संस्करण महात्मा गांधी की भूमि गुजरात में किया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी जी ने आजादी से कहा था कि भारत के विकास की परिकल्पना उसके ग्रामीण क्षेत्रों को नजरअंदाज करके कभी नहीं की जा सकती। दुर्भाग्यवश ग्रामीण विकास के तीन महत्वपूर्ण अंगों- कृषि, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र की आजादी के बाद कई वर्षों तक उपेक्षा की गई।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद श्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर महात्मा गांधी के मंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए इन तीनों क्षेत्रों के विकास पर बल देकर देश में नए परिवर्तन की शुरूआत की। देश की 80 फीसदी आबादी का भविष्य निर्धारित करने वाले ग्रामीण विकास, कृषि और सहकारिता मंत्रालय को और सुदृढ़ एवं परिणाम-उन्मुख बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने इन तीनों मंत्रालयों के संयुक्त बजट में वर्ष 2014 से अब तक तीन गुनी वृद्धि की है। 2014 में इन तीनों मंत्रालय का संयुक्त बजट 1.02 लाख करोड़ रुपए था, जो 2025-26 में 3.15 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

श्री शाह ने कहा कि हर देशवासी का यह संकल्प है कि जब देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे हों, तब भारत हर क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अव्वल हो।

इस पूर्ण विकसित भारत की कल्पना देश के प्रत्येक नागरिक के कल्याण के बिना संभव नहीं है। भारत सरकार ने नागरिकों की खुशहाली और सहकारी क्षेत्र के विकास के लिए आने वाले समय में देश की हर पंचायत में एक सहकारी संस्था और पूरे देश में 50 करोड़ से अधिक सक्रिय सहकारी सदस्य बनाकर देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सहकारी क्षेत्र के योगदान को तीन गुना बढ़ाने का आयोजन किया है।

अर्थ समिट के विषय 'वैश्विक परिवर्तन के लिए ग्रामीण नवाचार को सशक्त बनाना' का उल्लेख करते हुए श्री शाह ने कहा कि छोटे-छोटे बदलावों और नवाचारों से ग्रामीण क्षेत्र का देश की अर्थव्यवस्था में योगदान तथा नागरिकों की सुविधाएं किस प्रकार बढ़ सकती हैं, इस दिशा में चिंता, चिंतन और परिणाम-उन्मुख चचाएं करना ही इस अर्थ समिट का मुख्य लक्ष्य है।

कलर्स के 'सहर होने को है' से अपूर्व अग्निहोत्री कहते हैं– 'माँ को 'अम्मी' बुलाने से लेकर अजान पर जागने तक – फहीद धीरे-धीरे मेरी ज़िंदगी में समा गया'

एलआर

अपूर्व अग्निहोत्री आधिकारिक रूप से कलर्स के 'सहर होने को है' में डॉ. फरीद के रूप में एंट्री कर चुके हैं — एक गरिमामयी उपस्थिति के साथ जो शो के सबसे बड़े ट्विस्ट में से एक को गति देती है। माही विज (कौसर) और ऋषिता कोठारी (सहर) के साथ यह शो एक माँ-बेटी की गाथा है जिसने प्रीमियर के बाद से दर्शकों को बांधे रखा है। लखनऊ के दिल में सेट इस ड्रामे में कौसर की अथक लड़ाई दिखाई जाती है — अपनी सोलह वर्षीय बेटी को वो शिक्षा और स्वायत्तता दिलाने के लिए जो उसे खुद कभी नसीब नहीं हुई — जबकि उसका पति परवेज, एक उदासीन परिवारप्रमुख है और सहर को शक्तिशाली मुफ़्ती खानदान के वारिस माहिद (पार्थ समथान) से ब्याहने पर ताबड़तोड़ दबाव डालता है। इस तूफान में फंसा माहिद, अपने दर्द लेकर, आराम और जवाबों की तलाश में डॉ. फरीद के पास आता है — एक हीलर जो खुद ही ठीक नहीं है। खुली बातचीत में अपूर्व अग्निहोत्री ने इस परतदार किरदार को निभाने के अपने अनुभव, डॉ. फरीद में आई भावनाओं की जटिलता और उस रहस्य पर बात की जो उनके किरदार को कौसर से बांधे हुए है।

1. हमें शो के बारे में बताएं।

अ. 'सहर होने को है' एक मां और बेटी की यात्रा पर बना शो है, जो उत्पीड़न और पितृसत्ता के उस चक्र को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं जिसने पीढ़ियों से उनके परिवार को जकड़ा हुआ है। कौसर अपनी सोलह साल की बेटी सहर को लखनऊ लाती है क्योंकि वह चाहती है कि उसे वह आजादी और शिक्षा मिले, जिसके लिए उसे खुद लड़ने का मौका कभी नहीं मिला। लेकिन सहर का पिता परवेज इसका कड़ा विरोध करता है। वह उसकी शादी प्रभावशाली मुफ्ती परिवार के माहिद से कराने पर तुला हुआ है। जैसे-जैसे सहर समझती है कि अपने सपनों के लिए खड़े होने का क्या मतलब है, माहिद उसकी दुनिया में प्रवेश करता है, एक ऐसा युवक जिससे एक धार्मिक नेता के रूप में अपने दादा की विरासत को आगे बढ़ाने की उम्मीद की जाती है। बाहर से वह दबंग, लगभग परिपूर्ण लगता है, लेकिन वह ऐसे भावनात्मक घाव लिए हुए है जो किसी को दिखाई नहीं देते। माहिद मेरे किरदार, डॉ. फरीद से इलाज चाहता है, किस्मत धीरे-धीरे सहर और माहिद को एक-दूसरे की ओर धकेलती है। डॉ. फरीद और कौसर के बीच का छिपा हुआ संबंध शो का सबसे बड़ा रहस्य बन जाता है। इस सबके बीच, मां और बेटी एक अप्रत्याशित विद्रोह छेड़ देती हैं, जिससे

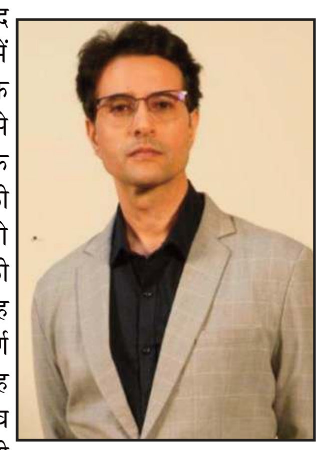

दर्शक यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या वे वास्तव में पितृसत्ता के पिंजरे से मुक्त हो पाएंगी। और अपने पैमाने, भावनाओं और कहानी कहने के अंदाज के साथ, 'सेहर होने को है' इस तरह सामने आता है जो जीवन से भी बड़ा लगता है।

2. हमें बताएं कि आपको अपनी भूमिका में किस बात ने आकर्षित किया?

अ. जिस चीज ने मुझे तुरंत आकर्षित किया, वह थी डॉ. फरीद का दोहरापन। बाहर से, वह एक सम्मानित डॉक्टर हैं, एक ऐसा व्यक्ति जिसकी ओर हर कोई मदद की आस के साथ देखता है। लेकिन अंदर से, वह एक ऐसा पिता है जो अभी भी यह समझ रहा है कि अपनी गोद ली हुई बेटी, अमल तक भावनात्मक रूप से कैसे पहुंचा जाए। फिर माहिद एक मरीज के रूप में उनके जीवन में आता है, और अचानक उनके बीच एक अप्रत्याशित बंधन बन जाता है। इसमें कौसर के साथ साझा किए गए उनके अनछुए इतिहास को जोड़ दें, तो फरीद एक ऐसा आदमी बन जाता है जो लगातार तर्क और पुरानी, दबी हुई भावनाओं के बीच खिंचता रहता है। खुद एक पिता होने के नाते, मैं तुरंत उनसे जुड़ गया। मैं एक 'गर्ल डैड' (बेटी का पिता) हूं, इसलिए मैं समझता हूं कि सुरक्षा करने, मार्गदर्शन करने और फिर भी हर दिन सीखने की चाह का क्या मतलब होता है। एक पिता के रूप में अपने अनुभव को इस शो में लाना अविश्वसनीय रूप से खास रहा है।

3. आपने इस शो के लिए तैयारी कैसे की?

अ. मैं वास्तव में इसे सही तरीके से करना चाहता था, इसलिए मैंने बुनियादी न्यूरोलॉजी और कुछ मनोरोग ढांचे के बारे में पढ़ना शुरू किया ताकि यह समझ सकूं कि फरीद जैसा कोई व्यक्ति कैसे सोचता है, निरीक्षण करता है, और अपने खुद के तूफानों को छिपाते हुए दूसरे लोगों के लिए जगह बनाता है। मैंने इस पेशे के साथ आने वाली भावनात्मक थकान और अनुशासन को समझने के लिए कुछ वास्तविक केस स्टडीज भी देखीं। और निश्चित रूप से, मैंने अपनी उर्दू पर बहुत काम किया क्योंकि फरीद शांति और तहजीब की दुनिया से आता है, और यह उसके बोलने के तरीके में झलकना चाहिए।

एचडीएफसी बैंक की प्रधान अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता की टिप्पणी

ब्याज दरों में कटौती से उपभोग और वृद्धि को प्रति-चक्रीय प्रोत्साहन मिलेगा।

लखनऊ, आरबीआई ने हमारी उम्मीदों के अनुरूप ब्याज दरों में कटौती की, विकास के लिए आसन्न जोखिमों को पहचाना और कम मुद्रास्फीति से उत्पन्न मौद्रिक गुंजाइश का उपयोग किया। हालांकि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 8% से ऊपर पहुंच गई थी, लेकिन निर्यात पर बाहरी प्रतिकूलताओं का जोखिम अभी भी बना हुआ है। इसके अलावा, त्यौहारी सीजन के दौरान खपत में स्थिरता देखी जानी बाकी है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, ब्याज दरों में कटौती से उपभोग और वृद्धि को प्रति-चक्रीय प्रोत्साहन मिलेगा।

हमारा अनुमान है कि वर्ष के मध्य तक मुद्रास्फीति 4% से नीचे रहेगी, जिससे पता चलता है कि आगामी तिमाहियों में वृद्धि में गिरावट के संकेत मिलने की स्थिति में ब्याज दरों में एक और कटौती की गुंजाइश बनी हुई है। वैकल्पिक रूप से, यदि हालिया आर्थिक गति जारी रहती है तथा अनुकूल व्यापार समझौते की घोषणा

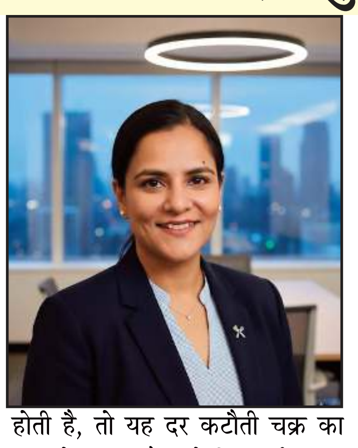

होती है, तो यह दर कटौती चक्र का अंत हो सकता है। हमें वित्त वर्ष 2026 में जीडीपी वृद्धि दर 7.3% और वित्त वर्ष 2027 में 6.5% रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति दर 2% और वित्त वर्ष 2027 में 4% रहने का अनुमान है।

ओएमओ खरीद और खरीद/बिक्री स्वैप के माध्यम से टिकाऊ तरलता के प्रवाह से इस दर में कटौती का अधिकाधिक लाभ मिलने की संभावना है, जिससे हाल के एफएक्स हस्तक्षेप से उत्पन्न दबाव को कम करने में मदद मिलेगी, तथा बांड बाजार में ऊपर की ओर बढ़ते दबाव को कम करने में मदद मिलेगी।

प्राइम वीडियो लाएगा 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!' का आखिरी सीजन, 19 दिसंबर को होगा प्रीमियर

मुम्बई ,प्राइम वीडियो ने आज ये ऐलान कर दिया है कि इंटरनेशनल एमी-नॉमिनेटेड ओरिजिनल सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज! के फाइनल सीजन की ग्लोबल प्रीमियर डेट 19 दिसंबर होगी। साल के आखिर में ये शो धमाकेदार अंदाज में वापसी कर रहा है, और हॉलिडे सीजन के ठीक समय पर आ रहा ये आखिरी चैप्टर फैन्स के लिए एक परफेक्ट ईयर-एंडर ट्रीट जैसा है। ये इस फ्रेंचाइज का वो फाइनल सेलिब्रेशन है जिसमें फिर से वही गहरी चुभने वाली हंसी होगी, वो ड्रामा होगा जो दिल पर असर छोड़ देता है, वो शॉट्स जो रुकते नहीं और उन चार महिलाओं का अटूट बंधन जिन्होंने जिंदगी से एक चीज सीख ली है कि इसे जीने के लिए किसी भी तरह की रोकटोक नहीं होनी चाहिए। इस बार फिनाले में लीड रोल में सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगारू फिर से अपनी जगह पर नजर आएंगी। इनके साथ प्रतीक स्मिता पाटिल, मिलिंद सोमन, राजीव सिद्धार्थ, लीजा रे और अंकुर राठी भी अपना-अपना किरदार दोबारा निभा रहे हैं। वहीं इस सीजन में डिनो मोरिया, अनसूया सेनगुप्ता और कुनाल रॉय कपूर भी कास्ट में नए नाम के तौर पर जुड़ रहे हैं। यह सीरीज प्रीतीश नंदी कम्युनिकेशंस ने बनाई है, जिसे रंगिता प्रीतीश नंदी और इशिता प्रीतीश नंदी ने क्रिएट किया है। देविका भगत ने इसे डेवलप और लिखा है, जबकि संवाद इशिता मोइत्रा ने दिए हैं। फोर मोर शॉट्स प्लीज! सीजन 4 का निर्देशन अरुणिमा शर्मा और नेहा पार्टी मत्यानी ने किया है। यह सीरीज 19 दिसंबर को इंडिया सहित दुनिया के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

अपने आखिरी पड़ाव में फोर मोर शॉट्स प्लीज! फिर वही हंगामा लेकर लौट रही है। यह सीरीज हमेशा से ही असली दोस्ती, बिन झिझक आजादी और औरतों की उस प्यारी-सी उलझन के बारे में रही है। लेकिन इस बार, इस फाइनल सीजन में? हमारी पसंदीदा गैंग सिर्फ वापस नहीं आ रही, वे लौट रही हैं एक वादा लेकरङ्क वो भी ऐसा वादा, जो सब पर भारी पड़े। और बस, पहले ही फ्रेम से शुरू हो जाता है पूरे धमाल और अफरातफरी के साथ। परफेक्शन को भूल जाओ। सेफ खेलने को भूल जाओ। दामिनी, उमंग, अंजना और सिद्धि अब किसी रूलबुक को नहीं मानने वालीं। उन्हें देखो कभी ठोकर खाते हुए, कभी जमीन पर जोर से गिरते हुए, और फिर उसी से दस गुना ज्यादा पागलपन, शरारत और रियलनेस के साथ दोबारा उठते हुए। ट्रैवल गोल्स? लेवल अप। दोस्ती? अपनी पूरी हद तक टेस्ट होने वाली। रोमांस? पहले से कहीं ज्यादा उलझा हुआ। और सैस? बिल्कुल फीयरलेस। प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, निखिल माधोक ने कहा, 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!

भरोसे, तकनीक और पारदर्शिता के माध्यम से यात्रा को नए सिरे से परिभाषित करता है वीएफएस ग्लोबल

लखनऊ पारंपरिक वीजा आवेदन प्रक्रिया लंबे समय से मैन्युअल जाँच, दस्तावेज प्रस्तुत करने और व्यक्तिगत सत्यापन जैसी जटिल प्रक्रियाओं का मेल रही है। आज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित दस्तावेज पहचान, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और पूवार्नुमान विश्लेषण ने इस प्रक्रिया को अभूतपूर्व रूप से सरल और तेज बना दिया है ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन (OCR) और मशीन लर्निंग के संयोजन से अब पासपोर्ट और अन्य सहायक दस्तावेजों से डेटा कुछ ही सेकंड में निकाला और सत्यापित किया जा सकता है, जबकि कंप्यूटर विजन सिस्टम किसी भी असंगति या संभावित छेड़छाड़ का पता मानव आँख से कहीं अधिक सटीकता से लगा लेते हैं।

जब हर प्रक्रिया में भरोसा निहित हो, हर कदम पर पारदर्शिता झलके और नवाचार में संवेदनशीलता शामिल हो तब सीमाएँ बाधा नहीं, बल्कि अवसर, समझ और साझा प्रगति के द्वार बन जाती हैं वीएफएस ग्लोबल किसी भी तीसरे पक्ष के साथ अपॉइंटमेंट आवंटन के लिए कार्य नहीं करता। आवेदकों को सावधान रहने की सलाह दी जाती है कि वे किसी भी ऐसे व्यक्ति या संस्था से सतर्क रहें जो स्वयं को श्क्र ऋ्ंड्ढ' से जुड़ा हुआ बताता है या संगठन के नाम पर दावा करता है।

आज की दुनिया में जब वैश्विक गतिशीलता लगातार बढ़ रही है, तो निर्बाध यात्रा की शुरूआत उड़ान से पहले ही हो जाती है वीजा प्रक्रिया, सत्यापन और डेटा सुरक्षा के साथ विश्वभर की क्लाइंट सरकारों के विश्वसनीय साझेदार के रूप में प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता और विश्वास के संयोजन से वैश्विक यात्रा को सरल बनाते हुए उद्योग के नए मानक स्थापित कर रहा है।

यह केवल गति की बात नहीं है, बल्कि सुरक्षा और अनुकूलनशीलता की भी है। स्वचालित जोखिम मूल्यांकन मॉडल उभरते भू-राजनीतिक जोखिमों या आवेदन की बढ़ती मात्रा के अनुसार वास्तविक समय में समायोजित हो सकते हैं। सरकारों के लिए इसका अर्थ है बेहतर नियंत्रण और निगरानी, जबकि आवेदकों के लिए यह प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तीव्र परिणामों में परिवर्तित होती है सुरक्षित डिजिटल प्रणालियों, एआई-सक्षम सहायता और बायोमेट्रिक सत्यापन के साथ,हर वर्ष लाखों आवेदकों को सुगम और भरोसेमंद अनुभव प्रदान करता है।

इसकी 'यात्री-प्रथम' नवाचार सेवाएँ जैसे रियल-टाइम एप्लिकेशन ट्रैकिंग और 'वीजा एट योर डोरस्टेप सुविधा, सुरक्षा और पहुँच के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं भारत में, वर्ष 2019 की तुलना में श्अ ऊ बुकिंग में छह गुना वृद्धि हुई है, जो टियर-II और टियर-III शहरों में इसकी लोकप्रियता को दशार्ती है जैसे-जैसे भारत में विदेश यात्रा की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है 2024 में इसमें 11% की वृद्धि दर्ज की गई —VFS Global सुरक्षित, पारदर्शी और नैतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से यात्रियों और सरकारों दोनों के बीच विश्वास को और मजबूत कर रहा है।

कंपनी की विस्तृत वैल्यू-ऐडेड सेवाएँ जैसे प्रीमियम लाउंज, कूरियर डिलीवरी और डिजिटल अपलोड यात्रियों को अतिरिक्त आराम प्रदान करती हैं, साथ ही अनुपालन को भी सुनिश्चित करती हैं वीजा धोखाधड़ी से आवेदकों की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है संगठन पुनः दोहराता है कि वीजा अपॉइंटमेंट निःशुल्क हैं और इन्हें केवल इसकी आधिकारिक वेबसाइट या साझेदार सरकारों के आधिकारिक पोर्टल्स के माध्यम से ही बुक किया जा सकता है।वीएफएस ग्लोबल का किसी भी तीसरे पक्ष से कोई संबंध नहीं है जो अपॉइंटमेंट बेचने या 'प्राथमिकता प्रवेश देने का दावा करता हो।

आवेदकों से अनुरोध है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना आधिकारिक एंटी-फ्रॉड पोर्टल https://www.vfsglobal.com/en/donotfallforfraud/ के माध्यम से दें ब्लॉकचेन आधारित सत्यापन, डिजिटल ट्रैवल क्रेडेंशियल्स और पूवार्नुमान एआई जैसी उभरती तकनीकें भविष्य में सीमाओं को और भी सुगम बनाने की क्षमता रखती हैं।

लेकिन इनकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या ये समाधान यात्री-केंद्रित दृष्टिकोण को प्राथमिकता देते हैं — अर्थात यात्रियों को उनके व्यक्तिगत डेटा पर अधिक नियंत्रण प्रदान करना, हर चरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और विविध आवश्यकताओं के अनुसार प्रक्रिया को अनुकूलित करना।

पुतिन की दिल्ली में कैसी बीती रात? भारत ने क्या खिलाया? ि

(जीएनएस)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा का समापन भव्य राजकीय भोज के साथ हुआ, जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक शानदार थाली परोसकर भारतीय आतिथ्य सत्कार की मिसाल कायम की। 5 दिसंबर की रात आयोजित इस स्टेट डिनर में कश्मीर की गुच्छी दून चेटिन से लेकर दक्षिण भारत के मुरक्कू तक, देशभर के स्वादों का अनोखा संगम देखने को मिला।

पुतिन के लिए खासतौर पर तैयार यह मेन्यू न सिर्फ भारतीय पाककला की विविधता दशार्ता था, बल्कि रूसी स्वादों का भी ख्याल रखा गया- जैसे पेल्मेनी से प्रेरित झोल मोमोज। लगभग 150 मेहमानों वाले इस भोज ने भारत-रूस की सांस्कृतिक दोस्ती को और मजबूत कर दिया। आइए विस्तार से जानते हैं...

डिनर का शानदार मेन्यू- सूप से

डेजर्ट तक हर बाइट में भारत का जायका

राष्ट्रपति भवन के शेफ्स ने मौसमी सामग्री और पारंपरिक तकनीकों से तैयार की गई थाली में क्षेत्रीय व्यंजनों की पूरी रेंज पेश की। यह पूरी तरह शाकाहारी था, जो पुतिन की डाइटरी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए बनाया गया। आइए, डिश-बाय-डिश जानते हैं कि पुतिन ने क्या-क्या चखाः-

भोज की शुरूआत हुई हल्के और गर्माहट भरे मुरुंगेलाई चारू (सहजन पत्ता और मूंग दाल का सूप) से। इसके बाद आए ऐपेटाइजर्स - गुच्छी दून चेटिन (अखरोट की कश्मीरी चटनी से भरी मोरेल मशरूम), काले चने के शिकम्पुरी कबाब (पैन-ग्रिल्ड ब्लैक ग्राम कबाब), और वेजिटेबल झोल मोमो (रूसी पेल्मेनी से इंस्पायर्ड, मसालेदार चटनी के साथ)। ये डिशेज कश्मीर से हिमालय तक के स्वादों का सफर कराती हैं।

मेन कोर्स मुख्य भोजन में सर्दियों की ताजा सब्जियों का जलवा था। शामिल थे जाफरानी पनीर रोल (केसरिया पनीर रोल्स), पालक मेथी मटर का साग, अचारी बैंगन (अचार मसाले वाली बैंगन), तंदूरी भरवां आलू, और पीली दाल तड़का। साथ में ड्राई फ्रूट-सफरॉन पुलाव और विभिन्न भारतीय ब्रेड्स जैसे नान, रोटी व परांठा।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे चलायेगी साबरमती-दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद-दिल्ली कॉरिडोर पर हाल ही में इंडिगो एयरलाइंस की अनेक उड़ानें रद्द होने से हवाई यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में यात्रियों को वैकल्पिक परिवहन साधन की आवश्यकता महसूस हुई है। यात्रियों की इसी बढ़ी हुई मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद के साबरमती स्टेशन और दिल्ली जंक्शन के बीच विशेष किराये पर ऑन डिमांड (ळडळ) स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

इस स्पेशल ट्रेन का उद्देश्य यात्रियों को विश्वसनीय, सुरक्षित और समयबद्ध यात्रा सुविधा प्रदान करना है, ताकि फ्लाइट रद्द होने की स्थिति में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। ट्रेन का संचालन यात्रियों की वास्तविक मांग को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा, जिससे अहमदाबाद-दिल्ली मार्ग पर यात्रा करने वाले लोगों को सुविधा प्राप्त होगी।

पश्चिम रेलवे की यह पहल त्योहारी एवं अवकाश अवधि के दौरान यात्रा मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। स्पेशल ट्रेन के परिचालन से यात्रियों को किफायती दरों पर सुविधाजनक यात्रा विकल्प उपलब्ध होगा, साथ ही अहमदाबाद और दिल्ली के बीच निरंतरता एवं सुगमता से आवागमन सुनिश्चित होगा।

इस स्पेशल ट्रेन के समय, आरक्षण विवरण तथा अन्य संचालन संबंधी जानकारी पश्चिम रेलवे द्वारा शीघ्र ही जारी की जाएगी।

पश्चिम रेलवे चलाएगी चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई, यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल - भिवानी, मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती, बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा एवं वलसाड - बिलासपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल - भिवानी सुपरफास्ट स्पेशल (द्विसाप्ताहिक) [14 फेरे]

ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल - भिवानी सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे भिवानी पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 दिसम्बर से 30 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी - मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को 14.35 बजे भिवानी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 दिसम्बर से 31 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, कोसली और चरखी दादरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09003/09004 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती सुपरफास्ट स्पेशल (32 फेरे)

ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती स्पेशल मंगलवार एवं शुक्रवार को छोड़कर सभी दिनों में 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.00 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी। यह ट्रेन 08 दिसम्बर से 29 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती - मुंबई सेंट्रल स्पेशल बुधवार एवं शनिवार को छोड़कर सभी दिनों में 10.15 बजे शकूर बस्ती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 दिसम्बर से 30 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां एवं दिल्ली सफदरजंग स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 को 10.00 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.30 बजे दुर्गापुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुर्गापुरा - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर 2025 को 12.25 बजे दुर्गापुरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर एवं बनस्थली निवाई स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 08244/08243 वलसाड - बिलासपुर स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 08244 वलसाड - बिलासपुर स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 16.50 बजे वलसाड से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 दिसम्बर 2025 से 09 जनवरी 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 08243 बिलासपुर - वलसाड स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 16.00 बजे बिलासपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भेस्तान, चलथाण, नंदुरबार, अमलनेर, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बड़नेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर एवं भाटापारा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09003 एवं 09730 की बुकिंग 06.12.2025 से, ट्रेन संख्या 09001 की बुकिंग 07.12.2025 से तथा ट्रेन संख्या 08244 की बुकिंग 08.12.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू

जाम की समस्या का समाधान कराने के लिए विभिन्न विभाग के अधिकारियों से मिले व्यापारी नेता

मथुरा (जीएनएस)। नगर और हाईवे पर विकराल रूप ले चुकी जाम की समस्या का समाधान कराने के लिए एसएसपी के बाद अब व्यापारी नेता दूर संचार, विद्युत और वन विभाग के अधिकारियों से मिले। बता दें कि नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की पहल पर जाम की समस्या के निस्तारण के लिए एसएसपी को साथ ले जाकर स्थलीय निरीक्षण किया था। इसके बाद विभिन्न विभागों के सकारात्मक सहयोग की संभावना से जाम की समस्या को हल कराने की दिशा में शुक्रवार को व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने दूर संचार विभाग, विद्युत विभाग और वन विभाग के अधिकारियों से मिलकर जाम की समस्या के समाधान में सहयोग करने की मांग की। मुलाकात करके समस्या के बारे में बताने पर बीएसएनएल, विद्युत और वन विभाग के अधिकारियों ने पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया है। बताते चलें कि विगत दिनों जाम की विकराल समस्या से परेशान होकर व्यापारी नेता लामबंद होकर एसएसपी श्लोक कुमार के पास पहुंचे थे और उनसे आग्रह करके अपने साथ लेकर गोवर्धन चौराहे से मंडी चौराहे तक का पैदल भ्रमण करके जाम की समस्या का निस्तारण कराने का प्रयास किया था। इसीक्रम में डीएम द्वारा सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक करके सामंजस्य से इस समस्या के समाधान के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद शुक्रवार को व्यापार मंडल के पदाधिकारी लामबंद होकर उप महाप्रबंधक भारतीय दूरसंचार निगम, मुख्य अभियंता दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम और उ.प्र. प्रभागीय वनाधिकारी से मिलकर जाम की समस्या का निस्तारण कराने में सहयोग की मांग की। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में सबसे पहले व्यापारी नेता उप महाप्रबंधक दूर संचार डीके शर्मा से मिले और उन्हें बताया कि लैंडलाइन फोन न होने के बावजूद आज भी संपूर्ण नगर में जगह-जगह विभाग के खंबे और पैनल लगे हुए हैं, जिससे जाम के हालात पैदा होते हैं तथा इनका कोई उपयोग भी नहीं है। इस पर संज्ञान लेते हुए उप महाप्रबंधक ने अपने अधीनस्थों को आदेश देते हुए तुरंत सर्वे कराके ऐसे सभी टेलीफोन खंबे और पैनलों को हटाने के लिए कह दिया। इसके बाद व्यापारी नेता विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता राजीव गर्ग से मिले और मुख्य मार्ग में यातायात को बाधित कर रहे ट्रांसफार्मर तथा विद्युत खभों के कारण हो रहे जाम के बारे में बताते हुए कहा कि मुख्य मार्गों पर रखे विद्युत ट्रांसफार्मर और विद्युत खंबे जाम का प्रमुख कारण है। व्यापारी नेताओं की बात को गंभीरता से समझते हुए मुख्य अभियंता ने अभियंता नगरीय क्षेत्र को निर्देश दिए कि वह व्यापार मंडल की क्षेत्रीय इकाइयों के सहयोग से ऐसे अतिक्रमण की लिस्ट बनाकर विभागीय कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। इसके बाद प्रभागीय वनाधिकारी की गैर मौजूदगी में व्यापारी नेताओं ने उप प्रभागीय वनाधिकारी एसके सिंह से मिले और नगर में जगह-जगह मार्गों को अवरुद्ध कर रहे पेड़ों तथा कृष्णानगर पुलिस चौकी में स्थित विशालकाय पेड़ के विषय में बताते हुए, उसे स्थानांतरित करने की मांग की। इसपर उप प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा बताया गया कि टीटीजेड में आने के कारण न्यायालय की बिना अनुमति के मथुरा में कोई भी पेड़ हटाया नहीं जा सकता।

परचून व्यापारी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या के बाद कुएं में फेंका शव : हत्यारों की तलाश में सुराग तलाश रहीं पुलिस टीमें

मथुरा (जीएनएस)। थाना बरसाना क्षेत्र स्थित गांव ढहरौली के पास बदमाशों ने एक युवक की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। मृत युवक परचून व्यापारी था। पुलिस ने परचून व्यापारी के रक्तरंजित शव को शव कुएं से बरामद किया है। वहीं पास में खेत पर मृत व्यापारी युवक को खींचने और बाइक के निशान मिले हैं। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिए हैं। घटना की जानकारी उस समय हुई जब देर रात्रि तक परचून व्यापारी घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू तो गांव से कुछ ही दूर पर खेतों के बीच खून फैलने की लाइन दिखाई दी। इसके बाद परिजन उस खून की पड़ी हुई लाइन के सहारे एक पुराने कुएं तक पहुंचे और टॉर्च की रोशनी करते हुए कुआं में देखा तो वहां युवक का शव पड़ा देखकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। युवक का रक्तरंजित शव देखते ही सर्द रात के सन्नाटे को चीख-पुकार की आवाजों ने तोड़ दिया। युवक की हत्या की खबर से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। परचून व्यापारी युवक का रक्तरंजित शव मिलने की सूचना पर पुलिस के उच्चाधिकारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार थाना बरसाना क्षेत्र स्थित गांव ढाहरौली निवासी 37 वर्षीय महादेव पुत्र खच्चर सिंह हर रोज की तरह गुरुवार रात करीब 9 बजे बरसाना-गोवर्धन रोड़ स्थित अपनी परचून की दुकान बंद करके बाइक द्वारा घर के लिए निकला था। इसके बाद देर रात्रि तक वह घर नहीं पहुंचा तो परिजन चिंता करने लगे और परिवार के लोग उसकी तलाश करने लगे। उसी बीच गांव के रास्ते में खेतों के पास महादेव की बाइक पड़ी मिली। बाइक से कुछ दूरी पर जमीन पर फैले खून के ताजे खौफ पसर गया। वहीं पास में खून के निशान खेतों के अंदर बने कुएं की ओर जा रहे थे। इसके बाद परिजन जब कुएं के पास पहुंचे और टॉर्च की रोशनी नीचे कुएं में डाली तो परचून व्यापारी महादेव का शव पानी में उतराता हुआ दिखाई दिया। युवक का शव देखते ही परिजनों की चीख निकल गईं। रात में रोते-बिलखते परिजनों की आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़कर वहां पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही बरसाना पुलिस मौके पहुंचे गई और ग्रामीणों के सहयोग से मृतक के शव को कुएं से बाहर निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की हत्या का खुलासा करने के लिए पुलिस की कई टीमों को लगाया गया है। युवक की हत्या के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। वहीं पुलिस के अनुसार परचून व्यापारी महादेव के सिर पर किसी भारी वस्तु से प्रहार करके हत्या की गई है। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद हत्यारे शव को कुएं में फेंककर फरार हो गए। युवक की हत्या के बाद प्रथम दृष्टया किसी रंजिश में हत्या करना प्रतीत हो रहा है। एसएसपी श्लोक कुमार ने हत्याकांड का खुलासा करने के लिए पुलिस की चार टीमों को लगाया गया है।

राया पुलिस ने दबोचा एक मादक पदार्थ तस्कर

मथुरा (जीएनएस)। थाना राया क्षेत्र स्थित गांव तम्बका के पास से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक कुशलपाल सिंह पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि सादाबाद रोड़ स्थित गांव तम्बका के पास एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक कुशलपाल सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़ा तस्कर भागने लगा। पुलिस ने भागने का प्रयास कर रहे मादक पदार्थ तस्कर पप्पू पुत्र किशन सिंह निवासी सूरज ढकू थाना राया को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 8 सौ 50 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल न्यायालय भेज दिया है।

अमित कुमार शर्मा बने 'पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना' के संचालन हेतु निर्धारित शासकीय समिति के सदस्य

अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के उत्तराखण्ड इकाई के राज्य अध्यक्ष श्री अमित कुमार शर्मा बने "पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना" के संचालन हेतु निर्धारित शासकीय समिति के सदस्य

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र शुक्ल ने संगठन की ओर से दी बधाई एवं हार्दिक शुभकामनायें

देहरादून। अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के उत्तराखण्ड इकाई के राज्य अध्यक्ष श्री अमित कुमार शर्मा को "पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना" के संचालन हेतु निर्धारित शासकीय समिति का सदस्य बनाया गया है। महानिदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस समिति में अ.भा.स.प.ए. के नामित प्रतिनिधि के अलावा 4 अन्य गैर सरकारी सदस्य भी शामिल किये गये हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र शुक्ल ने श्री शर्मा को शुभ कामनायें देते हुए कहा है कि "पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना" के संचालन हेतु निर्धारित इस शासकीय समिति में उनके सदस्य बनाये जाने से उत्तराखण्ड राज्य में संगठन के प्रतिनिधित्व को अत्यधिक संबल व शक्ति प्राप्त हुई है। इससे समाचार पत्रों के हित संवर्धन व एतदर्थ लम्बित प्रकरणों को बेहतर तरीके से सरकार के समक्ष रखे जा सकेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष व नामित सदस्य श्री अमित कुमार शर्मा ने इस मनोनयन के लिए उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी एवं सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग के महानिदेशक श्री बंशीधर तिवारी का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि इस अत्यन्त महत्वपूर्ण समिति में एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व हमारे लिए प्रसन्नता व गर्व का विषय है। समाचार पत्रों व पत्रकारों के हितों के लिए महानिदेशक द्वारा किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्य प्रशंसनीय एवं सराहनीय हैं। विनिर्दिष्ट समिति के गठित होने से निश्चित तौर पर सभी प्रभावित पत्रकारों को लाभ मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन बारहवें, चौदहवें और पन्द्रहवें त्रिवर्षीय सत्र में भारतीय प्रेस परिषद द्वारा विधिवत अधिसूचित राष्ट्रीय संगठन है जो देश स्तर पर सम्पादकों/पत्रकारों के हित संरक्षण एवं खुशहाली के लिए पूरे मनोयोग से विगत तीस वर्षों से कार्यरत है।

इस उपलब्धि पर संगठन की ओर से सर्वश्री पवन सहयोगी, दीनदयाल मित्तल, आशीष शर्मा, अनीता मिश्रा, रमेश चन्द्र जैन, महेश कुमार शर्मा, आरिफ जमाल,संजय कुमार चतुर्वेदी, संजय कुमार मिश्र, विनोद बाजपेयी, रामशरण दीक्षित, अरविन्द शर्मा, दिनेश शक्ति त्रिखा, वीरेन्द्र दत्त शर्मा, देवेन्द्र त्रिपाठी, कुश कुमार ने विभिन्न माध्यमों से बधाई एवं शुभकामनायें दी।

छोटे इमामबाड़ा लखनऊ में मजलिस ए अजा का इनऐकाद मौलाना हसनैन बाकरी का खिताब

लखनऊ अल-वसी फाउंडेशन लखनऊ की ओर से एक मजलिस-ए-अजा बड़े अदब और एहतिराम के साथ आयोजित की गई। यह मजलिस शबे शहादत मादरे अलमदार-ए-कर्बला हजरत अबुल फजलिल अब्बास अलैहिस्सलाम जनाबे उम्मुल बनिन सलामुल्लाह अलैहा की याद में आयोजित हुई। मजलिस का आगाज तिलावत कुरान से कारी रियाज ने किया मजलिस का इंतजाम छोटा इमामबाड़ा, हुसैनाबाद में किया गया, जहाँ बड़ी तादाद में मोमिनीन और मोमिनात मौजूद रहे।

मजलिस को मौलाना सैयद मोहम्मद हसनैन बाकरी ने खिताब किया। उन्होंने जनाबे उम्मुल बनीन सलामुल्लाह अलैहा की खिदमत-ए-अहल-ए-बैत, उनकी बे-मिसाल वफादारी और हजरत अब्बास अलैहिस्सलाम की शुजाअत पर विस्तार से रोशनी डाली। साथ ही उन्होंने कर्बला के सन्दर्भ में सब्र, इसार और विलायत की अहमियत पर भी दलीली बातचीत की।

कार्यक्रम में मशहूर सोजख्वान नूरऐंन रिजवी ने पुरसोज कलाम पेश किया, जिससे माहौल और भी गमगीन और रूहानी हो गया।

मजलिस के बाद जनाब शुजा. अब्बास जैदी, दस्त-ए-खतीब-ए-ईमान ने नौहा-ख्वानी की।

अखिर में जनाबे उम्मुल बनीन सलामुल्लाह अलैहा की बारगाह में नजर-ए-अक़ीदत पेश की गई और मुल्क-ओ-मिल्लत की सलामती के लिए खास दुआ की गई।

इंतजामी हुक्काम ने मोमिनीन की भारी तादाद में शिरकत पर शुक्रिया अदा किया

एएनटीएफ और कमला नगर पुलिस ने दबोचे दो अन्तर्राज्यीय तस्कर : 25 लाख का चरस और कार बरामद

आगरा। (जीएनएस)। थाना कमला नगर क्षेत्र स्थित वाटर वर्क्स के पास से एएनटीएफ यूनिट आगरा और कमला नगर पुलिस ने दो अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थों की तस्करों को दबोच लिया। पकड़े गए शातिरों के कब्जे से 25 लाख कीमत का चरस बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार एएनटीएफ आगरा यूनिट के निरीक्षक हरवेन्द्र मिश्रा, एएनटीएफ टीम के साथ मादक पदार्थ तस्करों की तलाश में अभियान चलाए हुए हैं। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि दो अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर भारी मात्रा में चरस की खेप लेकर अर्टिगा कार से वाटर वर्क्स के पास से जाने वाले हैं। एएनटीएफ यूनिट के निरीक्षक हरवेन्द्र मिश्रा ने थाना प्रभारी कमला नगर योगेश नागर को भी सूचना देकर बुला लिया। इसके बाद एएनटीएफ यूनिट के निरीक्षक हरवेन्द्र मिश्रा टीम में मुख्य आरक्षी सुधीर कुमार, आशीष शुक्ला, लखन लाल, वसीम अकरम, मुकेश कुमार और प्रेमनारायन तथा थाना प्रभारी कमला नगर योगेश नागर पुलिस टीम में एसआई सुमित कुमार और प्रशांत कुमार के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान पुलिस टीमों ने घेराबंदी करके अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर बलवीर सिंह पुत्र स्व. मंगतराम निवासी लांगराइन थाना अमरगढ़ मलेर कोटला जिला संगरूर (पंजाब) और धर्मवीर राणा पुत्र स्व. कश्मीरी लाल निवासी गांव साराबाई थाना भुंतर जिला कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) को दबोच लिया। पुलिस टीम ने पकड़े गए तस्करों के कब्जे से 25 लाख कीमत का 9 किलो 980 ग्राम चरस, 2 मोबाइल, तस्करी में प्रयुक्त अर्टिगा कार और 8 हजार 40 रूपए बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए तस्करों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि उनके ऊपर काफी कर्जा हो गया था। जिसके कारण पकड़े गए तस्कर चरस की तस्करी कर रहे थे। बताया कि बरामद चरस को कुल्लू के पहाड़ों पर रहने वाले एक व्यक्ति से खरीदा था, जिसे एक दूसरे व्यक्ति के कहने पर कोटला पुल हाइवे फिरोजाबाद में देने के लिए जा रहे थे। उसी दौरान पुलिस ने तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

पूर्णिमा पर गोवर्धन में उमड़े श्रद्धालु : पुलिस ने बैरियर लगाकर रोके वाहन

सौंख अड्डा बैरियर पर वाहनों को रोकते थाना प्रभारी रवि त्यागी।

मथुरा (जीएनएस)। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के अवसर पर गोवर्धन स्थित गिरिराज तलहटी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दानघाटी मंदिर क्षेत्र और परिक्रमा मार्ग में भक्तों के आने से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस बीच श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए गोवर्धन पुलिस ने सड़क पर निकलकर व्यवस्था संभाली। पुलिस ने डीग अड्डा और सौंख अड्डे पर बैरियर लगाकर सभी वाहनों और ई-रिक्शों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। इसके बाद केवल पैदल श्रद्धालुओं को ही परिक्रमा मार्ग और दानघाटी मंदिर की ओर जाने दिया। इस बीच थाना प्रभारी गोवर्धन रवि त्यागी खुद मौके पर डटे रहे और बैरियर पर खड़े होकर वाहनों को रोकते हुए दिखे। उन्होंने किसी भी वाहन को अंदर प्रवेश नहीं करने दिया, जिससे कि भक्तों की परिक्रमा और दर्शन सुगमता से हो सके। पुलिस की इस मुस्तैदी से जहां श्रद्धालुओं को जाम से राहत मिली, वहीं परिक्रमा मार्ग पर पैदल चलने वाले भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने गिरिराज जी प्रभु के दर्शन करके दूध चढ़ाया और परिक्रमा की लगाई। इससे पूर्व पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि वह अपने वाहन बाहर ही खड़े करें, जिससे कि किसी को परेशानी न हो सके।

पीएम मोदी जादूगर हैं', पुतिन ने बिजनेस फोरम में की भारत की जमकर तारीफ

(जीएनएस)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में आयोजित भारत-रूस बिजनेस फोरम में भाग लिया, जहाँ दोनों नेताओं ने पारंपरिक ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों से आगे बढ़कर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूसी प्रतिनिधिमंडल केवल तेल और गैस अनुबंधों के लिए नहीं आया, बल्कि वे विविध क्षेत्रों में संबंध बनाना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जवाब में कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी की नींव आपसी विश्वास है। इस फोरम में ऋहअ वार्ता शुरू करने और भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए रूस की प्रशंसा प्रमुख बिंदु रहे।

पुतिन ने भारत की अर्थव्यवस्था की सराहना की

राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की जमकर प्रशंसा की और कहा कि भारत स्वतंत्र और संप्रभु नीति पर चलते हुए शानदार परिणाम प्राप्त कर रहा है। इंडिया-रूस बिजनेस फोरम में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, 'मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि ढट मोदी के नेतृत्व में भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु नीति पर चल रहा है और साथ ही बहुत अच्छे रिजल्ट भी पा रहा है। आज, भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ढट मोदी की अच्छी आर्थिक नीति और मेक इन इंडिया प्रोग्राम जैसे बड़े ऐतिहासिक पहल की वजह से, इंडिया टेक्नोलॉजी के मामले में संप्रभु बन रहा है। भारत के IT और फार्मा सेक्टर दुनिया में प्रमुख स्थान पर हैं।'

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, 'रूसी प्रतिनिधि मंडल सिर्फ.एनर्जी के मामलों पर बात करने और तेल और गैस की सप्लाई के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन करने नहीं आया था। हम चाहते हैं कि भारत के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में हमारे कई तरह के रिश्ते बनें। प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी प्राइवेट बातचीत में कई मौकों पर इस बात पर जोर दिया कि भारत के पास कई क्षेत्रों में बढ़ने और बढ़ते हुए मौके हैं, लेकिन अब तक उनका उतना इस्तेमाल नहीं हुआ है जितना दोनों देश चाहते हैं। यही वजह है कि हमने यह फोरम बुलाया।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिजनेस फोरम में एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (EAEU) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (FTA) पर बातचीत शुरू हो गई है।

ग्राम पंचायत लोदीपुर में प्रधान सचिव की मनमानी से सफाई व्यवस्था चरमरा, नालियां कचरे से पटी

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पूरनपुर तहसील के ग्राम पंचायत लोदीपुर में सफाई व्यवस्था की बदहाली ने ग्रामीणों को परेशान कर दिया है। प्रधान सचिव की कथित मनमानी से गांव की नालियां कचरे से भरी पड़ी हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। दुर्गंध व मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, बीमारियों का खतरा मंडरा रहा। ग्रामीणों ने कई बार प्रधान को शिकायत की, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। अब वे तहसील प्रशासन से हस्तक्षेप की गुहार लगा रहे हैं।

समस्या का विस्तृत विवरणः

लोदीपुर गांव की मुख्य नालियां महीनों से साफ नहीं हुईं, कचरा जमा हो गया है। हल्की बारिश में भी पानी रोड पर फैल जाता, जिससे वाहन फिसलते और पैदल राहगीर परेशान। ग्रामीणों ने बताया, "प्रधान सचिव फंड का गलत इस्तेमाल कर रही हैं। सफाईकर्मी आते ही नहीं, जबकि

बजट उपलब्ध है। शिकायत करने पर बहाने बनाए जाते हैं।" एक बुजुर्ग निवासी ने कहा, "गंदगी से बच्चों को बुखार-डेंगू का डर, लेकिन सचिव की मनमानी चल रही। प्रधान भी अनदेखी कर रहे।" गांव में 200 से अधिक परिवार प्रभावित, कई जगहों पर कचरा खुले में पड़ा है।

ग्रामीणों की शिकायत व अपीलः

कई ग्रामीणों ने प्रधान कार्यालय में लिखित शिकायतें दीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक महिला निवासी बोलीं, "हमारे टैक्स के पैसे से सफाई होनी चाहिए, लेकिन सचिव की मनमानी से गांव गंदगी का ढेर।" ग्रामीणों ने प्रधान सचिव के खिलाफ विभागीय जांच की मांग की है। वे रऊट से अपील कर रहे झ तुरंत सफाई अभियान चलाएं, फंड का ऑडिट कराएं और लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई करें। एक ग्रामीण ने चेतावनी दी, "ध्यान न दिया तो बड़ा प्रदर्शन करेंगे।"

निष्कर्षः

यह मामला ग्रामीण स्तर पर प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है। स्वच्छ भारत अभियान के दौर में ऐसी अनदेखी अस्वीकार्य है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते सुधार न हुआ तो स्वास्थ्य संकट गहरा सकता है।

झरिया स्थित सिंह नगर में कचरा गोदाम में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड की टीम लगातार मोर्चा संभाले रही और आग को फैलने से रोकने में रही सफल

झरिया थाना क्षेत्र के सिंह नगर में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक कचरा गोदाम में अचानक लगी भीषण आग ने पूरे इलाके को दहला दिया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में पूरा गोदाम आग की भेंट चढ़ गया और आसमान में काले धुएं का घना गुबार छा गया। आग की ऊँची-ऊँची लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे स्थानीय लोगों में भय और दहशत का माहौल बन गया। कई लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए, वहीं दुकानदारों ने किसी संभावित खतरे को देखते हुए अपना सामान सुरक्षित

स्थानों पर हटाना शुरू कर दिया।

सूचना मिलते ही अग्निशमन पदाधिकारी लक्ष्मण प्रसाद के नेतृत्व में फायर ब्रिगेड की 8 दमकल गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में जुट गईं। आग अत्यंत विकराल होने के कारण दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। गर्मी की तेज लपटें और घना धुआं बुझाने के काम में बड़ी बाधा साबित हो रहा था। इसके बावजूद फायर ब्रिगेड की टीम लगातार मोर्चा संभाले रही और आग को फैलने से रोकने में सफल रही।

घटना की गंभीरता को देखते हुए झरिया थाना प्रभारी शशि रंजन और झरिया सीओ भी मौके पर पहुंचे और पूरे हालात पर बारीकी से नजर बनाए रखी। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए लोगों को सुरक्षित दूरी पर रहने की अपील की। फिलहाल पुलिस और फायर विभाग आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच में जुटे हैं।

सेन्ट्रल सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल, पटना में ब्रेस्ट कैंसर-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हाजीपुरः 05.12.2025

आज दिनांक 05.12.2025 को सेन्ट्रल सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल, पूमरे, पटना में चिकित्सा निदेशक - डा. सुबोध कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मेदान्ता हास्पिटल, पटना द्वारा ब्रेस्ट कैंसर- जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मेदान्ता हास्पिटल, पटना से आई हुई डा. निहारिका राय ने यह बताया कि समय रहते इस कैंसर का पता लग जाय तब इसका ईलाज बहुत ही सफल हो जाता है। इस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं

को ब्रेस्ट सेल्फ जांच पर विस्तृत जानकारी दी गयी और मैनीक्वीन के द्वारा ब्रेस्ट जांच की विधि को दशार्या गया। इसका लाभ सौ से भी अधिक महिला कर्मचारियों ने उठाया। इस कार्यक्रम में ब्रेस्ट कैंसर पर एक क्वीज का भी आयोजन किया गया।

(सरस्वती चंद्र)
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी

बाइक सियार से टकराई, कार ने युवक को रौंदा: मौत, घटना सीसीटीवी में कैद; ड्राइवर गाड़ी लेकर फरार

(जीएनएस)।

पीलीभीत में बीती रात एक बाइक सवार सियार से टकराकर सड़क पर गिर पड़ा। जिसके बाद पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने युवक को रौंद दिया। जिससे युवक की मौत हो गयी। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गयी। घटना सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के गढ़वाखेड़ा चौकी अंतर्गत आसाम-दिल्ली हाईवे पर कजरी के पास का है।

युवक की पहचान पवन कुमार शर्मा के रूप में हुई। युवक एक निजी अस्पताल में कंपाउंडर के रूप में कार्यरत था। घटना का उउळश फुटेज भी सामने आया है। जिसमें तेज रफ्तार कार को युवक को कुचलकर भागते हुए देखा जा सकता है।

दरअसल पवन कुमार शर्मा (18) फिरोज हॉस्पिटल में कंपाउंडर थे। गुरुवार देर शाम पवन अपनी मोटरसाइकिल से ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे। जब वे कजरी स्थित मेडिक्योर हॉस्पिटल के पास पहुंचे, तभी उनकी बाइक अचानक एक सियार से टकरा गई। जिससे वे सड़क पर गिर पड़े।

उसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने सड़क पर पड़े पवन को बेरहमी से कुचल दिया और चालक वाहन सहित फरार हो गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि पवन की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा पास ही स्थित मेडिक्योर हॉस्पिटल के उउळश में रिकॉर्ड हो गया। फुटेज में दिखाई देता है कि गिरने के कुछ ही सेकेंड बाद एक तेज रफ्तार कार युवक को कुचलते हुए निकल जाती है।

सूचना मिलने पर गढ़वाखेड़ा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। पुलिस ने घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजन रोते बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे।

थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि पवन की बाइक सियार से टकराने के बाद वे सड़क पर गिरे और तभी कार की चपेट में आ गए। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम न कराने की इच्छा जताई। परिजनों की सहमति पर पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए शव परिजनों के सौंप दिया।

जन शिकायत के प्रभारी पदाधिकारी ने सुनी जनता की समस्याएं

आज दिनांक 5 दिसंबर 2025 को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार प्रभारी जन शिकायत पदाधिकारी श्री नियाज अहमद ने समाहरणालय स्थित सभागार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतों को सुना। लोगों के आवेदनों को प्राप्त कर उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को शिकायत का निष्पादन करने के लिए निर्देशित किया।

जनता दरबार में आवास निर्माण हेतु जमीन बंदोबस्ती करने, जन्म तिथि में सुधार करने, स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की नियुक्ति करने, रैयती जमीन पर जबरन तालाब निर्माण रोकने, राशन कार्ड बनाने, पीएम कुसुम योजना का लाभ देने, पीएम आवास योजना निर्माण में दबंगों द्वारा कार्य रोकने, बिजली के खंभे लगाने, आयुष्मान कार्ड बनाने, अशर्फी अस्पताल द्वारा डेड बॉडी नहीं सौंपने, अनुकम्पा पर नौकरी देने, जमीन की मापी कराने, जमीन पर अवैध कब्जा हटाने , पंजी 2 में नाम चढ़ाने, स्वास्थ्य, शिक्षा, जमीन, आपसी विवाद समेत विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए।

उन्होंने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन नियमानुसार आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

पूरनपुर विधानसभा में SIR मतदाता पुनरीक्षण अभियान को मिला जोर

विधायक पुत्र रितुराज पासवान ने 94 गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को जागरूक किया झ फॉर्म भरने की अपील, लोकतंत्र मजबूत बनाने पर जोर

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 5 दिसंबर पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान (रक्क) को गति देने के लिए भाजपा विधायक बाबूराम पासवान के पुत्र रितुराज पासवान ने 94 गांवों का व्यापक दौरा किया। इस अभियान के तहत ग्रामीणों को जागरूक करने का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को सटीक व अपडेट रखना है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत हो सके। रितुराज ने कार्यकताओं के साथ मिलकर घर-घर पहुंचकर लोगों को रक्क फॉर्म भरने के महत्व से अवगत कराया, जिससे इलाके में उत्साह का माहौल बन गया।

अभियान का विस्तृत विवरणः

रितुराज पासवान ने दौरा शुरू करते हुए ग्रामीणों को बताया कि एक सटीक मतदाता सूची ही स्वस्थ लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने कहा, "रक्क अभियान से नए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़ेंगे, पुरानी त्रुटियां सुधरेंगी और हर नागरिक का वोट सुरक्षित रहेगा। सभी से अपील है कि 4 दिसंबर से शुरू हो चुके इस अभियान में तुरंत रक्क फॉर्म भरें।"

दौरा सेहरामऊ, ढका, अमरिया व आसपास के गांवों तक फैला, जहां सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यकताओं ने फॉर्म भरने की प्रक्रिया का डेमो दिया और मोबाइल वैन के जरिए सहायता प्रदान की। ग्रामीणों का कहना था, "रितुराज जी का दौरा देखकर उत्साहित हुए, अब हम सब फॉर्म भरेंगे।"

मुख्य सहयोगी व प्रतिक्रियाः

कार्यक्रम में सेहरामऊ ग्राम प्रधान अनिल कुमार, अमित शुक्ला, ओमप्रकाश, प्रदीप वर्मा, रिंकू, विनोद, देशपाल, राजकिशोर, मोती सिंह, राहुल पाण्डेय व दीपक शुक्ला सहित कई स्थानीय नेता व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने अभियान को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। अनिल कुमार ने कहा, "ग्राम स्तर पर हम टीमें गठित करेंगे, ताकि कोई पात्र वोटर छूटे नहीं।" जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि रक्क अभियान 31 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें 18-19 वर्ष के युवाओं को प्राथमिकता। अब तक पूरनपुर क्षेत्र में 70% फॉर्म भर चुके, लेकिन शेष के लिए जागरूकता तेज।

निष्कर्ष व अपीलः

यह अभियान लोकसभा व विधानसभा चुनावों की तैयारी का हिस्सा है, जो मतदाता सूची को पारदर्शी बनाएगा। रितुराज पासवान ने अंत में अपील की, "लोकतंत्र की रक्षा हर नागरिक का कर्तव्य झ रक्क फॉर्म भरें, वोट का अधिकार मजबूत करें।" ग्रामीणों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, लेकिन कुछ जगहों पर जागरूकता की कमी बताई गई।

विभागों के कार्य लिये जाने एवं आनलाईन उपस्थिति प्रणाली लागू

(जीएनएस)।

मसौली मंगलवार। विभागीय दायित्वों के अतिरिक्त बिना कोई संसाधन उपलब्ध करायें अन्य विभागों के कार्य लिये जाने एवं आनलाईन उपस्थिति प्रणाली लागू किये जाने सहित विभिन्न समस्याओं पर प्रभावी निर्णय लिये जाने के संदर्भ में शुक्रवार को ग्राम विकास अधिकारी संघ ब्लाक जैसराम ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के अध्यक्ष कमल किशोर ने दस सूत्रीय मांग पत्र खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव को सौपा।

ब्लाक मुख्यालय पर धरने पर बैठे संघ के पदाधिकारीयों ने शासकीय व्हाट्सएप ग्रुपों से बाहर भी हो गये तथा लोगो से रूबरू होते हुए अध्यक्ष जैसराम ने कहा कि ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली ग्रामीण क्षेत्रों की नेटवर्क समस्या के कारण कार्य व्यवस्था को प्रभावित कर रही है।

वहीं, गैर विभागीय कार्यों में लगाए जाने से ग्रामीण विकास से जुड़े मूल दायित्वों का निर्वहन बाधित होता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा तथा 10 दिसम्बर 2025 से सभी सचिव अपने निजी वाहनों से सरकारी कार्य नहीं करेंगे तथा 15 दिसम्बर को समस्त सचिव अपने डोंगल को विकास खण्ड पर समर्पित कर देंगे। उपयुक्त सम्मनात्मक विदुओं पर अगर शासन प्रशासन का समाधान की दिशा में सकारात्मक प्रभास नहीं किया गया तो संघ द्वारा सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार एवं अनवरत धरना प्रदर्शन के लिए मजबूर होंगे।

इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी आई एस बी मदन गोपाल कनौजिया, कमल किशोर, संजीव कुमार सिंह, महेश प्रताप सिंह, अजय कुमार वर्मा, उत्तम वर्मा, वन्दना पाल, सौम्या सिंह, कमलेश यादव, सुधाकर सिंह, बंदना, राम प्रकाश,सहित ग्राम पंचायत एवं ग्राम विकास विभाग के सचिव मौजूद थे।

किसानों के 8 करोड़ रुपये हड़पने वाले आढ़ती प्रियांशु गिरफ्तार, मुनीम अरुण फरार झ धान बिक्री के पैसे न देने पर शिकायत, टाइगर तिराहा से पकड़ा, कोर्ट ने भेजा जेल

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 5 दिसंबर पीलीभीत जिले की कृषि मंडी में किसानों की मेहनत की कमाई हड़पने का बड़ा घोटाला सामने आया है। सुनगढ़ी थाना पुलिस ने आढ़ती प्रियांशु अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया, जो कई किसानों के लगभग 8 करोड़ रुपये की ठगी करके फरार हो गया था। ठगी में उसका मुख्य सहयोगी मुनीम अरुण कुमार अभी भी फरार है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया, जबकि पुलिस फरार मुनीम की तलाश तेज कर रही है। यह मामला किसानों में आक्रोश पैदा कर रहा है, क्योंकि धान बिक्री के बाद भी भुगतान न मिलने से कई परिवार परेशान हैं।

घटना का पूरा विवरणः

मामला तब उजागर हुआ जब शाहजहांपुर जिले के थाना निगोही क्षेत्र के दो किसानों झ संदीप कुमार और हरीश कुमार झ ने 1 नवंबर को सुनगढ़ी थाने में संयुक्त शिकायत दर्ज कराई। हरीश ने बताया कि उन्होंने 7 अक्टूबर को 140 क्विंटल धान प्रियांशु की आढ़त पर बेचा, लेकिन पैसे नहीं मिले। इसी तरह संदीप ने 17 और 19 अक्टूबर को 1280 क्विंटल धान बेचा, जिसकी राशि भी अदा नहीं हुई। किसानों ने मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन बंद। मंडी समिति जाकर देखा तो आढ़त पर ताला लगा था। जांच में पता चला कि प्रियांशु और मुनीम अरुण ने कई किसानों के 8 करोड़ रुपये लेकर फरार हो गए। ठगी के शिकार किसान मुख्यतः पीलीभीत, शाहजहांपुर और आसपास के जिलों से थे।

गिरफ्तारी व पूछताछः

पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि प्रियांशु टाइगर तिराहा क्षेत्र में छिपा है। असम चौकी प्रभारी व विवेचक रविंद्र सिंह बालियान ने छापेमारी कर उसे धर दबोचा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नरेश त्यागी ने पुष्टि करते हुए बताया, "आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। पूछताछ में प्रियांशु ने कबूल किया कि पैसे खर्च हो गए। उसने कुछ बड़े व्यापारियों व राइस मिलरों पर उधार के पैसे होने का आरोप लगाया, जिसकी गहन जांच चल रही। फरार मुनीम अरुण की तलाश के लिए टीमें लगी हैं।" पुलिस ने क्ढउ की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (आपराधिक विश्वासघात) व अन्य के तहत मुकदमा दर्ज किया। मंडी समिति ने भी आरोपी की लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

किसानों की प्रतिक्रिया व प्रभावः

ठगी से प्रभावित किसान सदमे में हैं। संदीप ने कहा, "हमारी फसल बेची, लेकिन पैसे न मिलने से कर्ज चुकाना मुश्किल। ऐसे आढ़ती किसानों को बर्बाद कर देते।" हरीश बोले, "पुलिस की तारीफ, लेकिन फरार मुनीम को पकड़ो व पैसे वापस दिलाओ।" जिले में 20 से अधिक किसान शिकायतकर्ता हैं, जिनका नुकसान करोड़ों में। किसान संगठनों ने मंडी प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया, मांग की झ ठगी रोकने के सख्त नियम। रढ अभिषेक यादव ने निर्देश दिए कि ऐसी घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई हो।

निष्कर्षः यह घोटाला कृषि मंडी की पारदर्शिता पर सवाल उठाता है। किसानों की मेहनत की कमाई लूटने वाले आढ़तियों पर लगाम लगाने की जरूरत। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि फरार आरोपी जल्द पकड़ा जाएगा व प्रभावितों को न्याय मिलेगा।

सेन्ट्रल सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल, पटना में ब्रेस्ट कैंसर-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हाजीपुरः 05.12.2025

आज दिनांक 05.12.2025 को सेन्ट्रल सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल, पूमरे, पटना में चिकित्सा निदेशक - डा. सुबोध कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मेदान्ता हास्पिटल, पटना द्वारा ब्रेस्ट कैंसर- जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मेदान्ता हास्पिटल, पटना से आई हुई डा. निहारिका राय ने यह बताया कि समय रहते इस कैंसर का पता लग जाय तब इसका ईलाज बहुत ही सफल हो जाता है। इस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को ब्रेस्ट सेल्फ जांच पर विस्तृत जानकारी दी गयी और मैनीक्वीन के द्वारा ब्रेस्ट जांच की विधि को दशार्या गया। इसका लाभ सौ से भी अधिक महिला कर्मचारियों ने उठाया। इस कार्यक्रम में ब्रेस्ट कैंसर पर एक क्वीज का भी आयोजन किया गया।

(सरस्वती चंद्र)
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी